>

Title : Felicitations to Shri Karia Munda on his election as the Deputy Speaker of 15th Lok Sabha.

MADAM SPEAKER: Now, the hon. Prime Minister.

THE PRIME MINISTER (DR. MANMOHAN SINGH): Madam Speaker, in electing Shri Karia Munda as the Deputy-Speaker of this august House so soon after your own election unanimously as the Speaker, it augurs well for our country. Both of you belong to the two most disadvantaged communities of our country. By honouring both of you, this House reaffirms its commitment to the cause of social justice and to the empowerment of the disadvantaged communities.

Madam, Shri Karia Munda brings to bear on his Office a wealth of experience. I believe this is his seventh term as a Member of this House. He had been a Member of many Standing Committees and he had also been a Minister in the Union Government. He is a multifaceted personality and an accomplished social worker who has taken active interest in the empowerment of women, he is also a writer, I believe, he has written a book on Rabindranath Tagore - a person with all these qualities of head and heart. I congratulate Shri Karia Munda for his unanimous election to the august Office of the Deputy-Speaker. [r1]

We assure him our wholehearted cooperation in running the affairs of this House.

The unanimous election of both the Speaker and the Deputy-Speaker, as I said, augurs well for the running of this House in a smooth manner and I sincerely hope that the 15th Lok Sabha will set an example before the country in orderly conduct of the business of the House.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Madam Speaker, I share the sentiments expressed by the hon. Prime Minister. I have the opportunity of witnessing the performance of Shri Karia Munda in different capacities, as a parliamentarian, as an administrator and also as a social reformer. I have no doubt that his elevation to this distinguished office would not only lighten your burden to some extent but he will also guide us for the orderly conduct of the business of the House. I, on behalf of the party and as the Leader of the House, can assure him of my fullest cooperation in discharging his responsibilities as the Deputy-Speaker of the House.

Madam, I am particularly happy that we have maintained the tradition of choosing a Member from the Opposition as the Deputy-Speaker of this House since 1977. Prior to that, both the offices normally used to go to the Ruling Party. But for the first time when the recognised Oppostion Party came to exist in this House in 1977, this healthy practice was developed. Of course, this practice is in vogue in many of our State Legislatures, but we did not have that earlier. But 1977 we have not made a departure. It augurs well.

I wish him all success in his new assignment and once again I assure him of our fullest cooperation.

श्री लालकृष्ण आडवाणी (गांधीनगर) : महोदया, सम्माननीय प्रधान मंत्री जी ने, सदन के नेता ने जो भाव प्रकट किये हैं, उनके साथ अपने को जोड़ते हुए मैं स्मरण कराऊंगा महोदया कि जब आपका निर्वाचन पिछले सप्ताह हुआ था तब माननीय प्रधान मंत्री जी ने आपके स्वर्गीय पिता जी को स्मरण किया और उनकी स्मृति के कारण मुझे स्मरण आया कि मुझे उनके सहयोगी मंत्री के रूप में कार्य करने का सौभाग्य मिला है। आज जिनको हमने उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित किया है, वे भी उन सहयोगी मंत्रियों में थे जिन्होंने आपके पिताजी के साथ जनता सरकार में कार्य किया, जिसके प्रधान मंत्री श्री मोरारजी भाई देसाई थे।

सदन के नेता ने यह बात सही कही कि यह परम्परा सन् 1977 में ही शुरू हुई क्योंकि सन् 1977 में पहली बार रिकॉगनाइज्ड अपोजीशन पार्टी बनी थी। तब से लेकर अब तक यह परम्परा चली आई है और बहुत उत्तम परम्परा है। बाकी हिंदुस्तान की विधान सभाओं में इसी प्रकार की परम्परा हो जाए तो अच्छा ही होगा - ऐसा मैं मानता हूं। लेकिन कुल मिलाकर के इस बार 2009 के जो चुनाव रहे, जैसा मैंने अपने भाषण में कहा कि जो जीतता है स्वभावतः उसे खुशी होती है और जो सफल नहीं होता, उसे कुछ खेद और निराशा होती है। लेकिन कुल मिलाकर कोई जीता, कोई हारा, लेकिन लोकतंत्र निश्चित रूप से जीता, इस पर कोई संदेह नहीं है। लोकतंत्र के जीतने का एक प्रमाण आपके और आज के चुनाव में भी होता है जिसमें स्पष्ट है कि एक प्रकार से शासन और विपक्ष दोनों के संबंध इस प्रकार के विकसित हो रहे हैं। पहले कभी-कभी लगता था कि इसका समर्थन करेंगे या नहीं करेंगे लेकिन सब लोगों ने, सब पार्टियों ने मिलकर आपका भी चुनाव किया है, आज का भी चुनाव किया है, यह खुशी का लक्षण है और भविष्य के लिए अच्छे संकेत देता है।

एक बार पुनः सदन की ओर से, अपनी ओर से, अपनी पार्टी की ओर से, एनडीए की ओर से मैं कड़िया मुंडा जी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं और विश्वास करता हूं कि उनकी अध्यक्षता में हमारा कार्य अच्छा चलेगा और आपको भी उनसे बहुत सहयोग मिलेगा।

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी) : अध्यक्ष महोदया, उपाध्यक्ष पद के लिए माननीय कड़िया मुंडा जी सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए हैं। हम उनको बधाई देते हैं। उनका बहुत लम्बा अनुभव है। वे सीधे लोकसभा में नहीं आये हैं। जैसा अभी बताया गया कि सात बार लोकसभा के सदस्य रहे हैं और माननीय आडवाणी जी और हमारे साथ भी वर्ष 1977 में रहे हैं और उनके अनुभव का सदन को लाभ होगा।

यह एक अच्छी परम्परा है कि सत्ता पक्ष का स्पीकर होगा और विपक्ष का उपाध्यक्ष होगा। हमने भी उत्तर प्रदेश में यह परम्परा डाली और उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष थे और अध्यक्ष हमारी समाजवादी पार्टी के थे। माननीय प्रधान मंत्री जी और विपक्ष के नेता ने जो कुछ कहा है उससे मैं भी अपने को सम्बद्ध करता हूं और मुझे विश्वास है कि उन्हें सदन का जो अनुभव है, उससे वह सदन के संचालन में बहुत अच्छे और परखे हुए उपाध्यक्ष अपने को साबित करेंगे।

हम अपने दल की ओर से उन्हें पूरा विश्वास दिलाते हैं कि हम आपका पूरा सहयोग करेंगे और जैसा माननीय प्रधान मंत्री जी और विपक्ष के नेता ने कहा, हम उनके विचारों से सहमत हैं और आपको अपने दल की तरफ से पुनः बधाई देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं।

श्री शरद यादव (मधेपुरा) : महोदया, मैं आदरणीय प्रधान मंत्री जी, प्रणब जी, आडवाणी जी और भाई मुलायम सिंह जी की बात की निरंतरता में कड़िया मुंडा जी जो इस सदन के परिचित और चर्चित नेता रहे हैं, आम सहमति से, आपके बाद उनका भी जो आज चयन हुआ है, उसके लिए सदन को और उनको अपनी तरफ से, हृदय से, धन्यवाद करता हूं, बधाई देता हूं।

श्री विजय बहादुर सिंह (हमीरपुर) : माननीय अध्यक्षा जी, मैं अपनी ओर से और बहुजन समाज पार्टी की ओर से उपाध्यक्ष जी को बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूं और मुझे जैसा माननीय प्रधान मंत्री जी के भाषण से पता चला कि सात बार माननीय कड़िया मुंडा जी सदस्य रह चुके हैं और उनके अनुभव का हमें बहुत लाभ होगा। ये लेखक भी हैं और जिस बैक-ग्राउंड से माननीय कड़िया मुंडा जी आते हैं, हमें लगता है कि समता-मूलक समाज और सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय हमारी पार्टी का उद्देश्य है और इसी पथ पर ही ये चलेंगे। हमारा और हमारी पार्टी का पूरा सहयोग इन्हें मिलेगा। हिंदुस्तान में पिछड़े, दलित और गरीब लोगों के लिए भी एक रास्ता खुल रहा है और हम आपके इस चुनाव पर आपको बहुत-बहुत बधाई देते हैं। हमारा, हमारी पार्टी का पूरा सहयोग आपके साथ है।

SHRI ARJUN CHARAN SETHI (BHADRAK): Madam Speaker, I associate myself with the sentiments expressed by hon. Prime Minister, Leader of the House, as well as Leader of the Opposition in electing Shri Karia Munda *ji* to the office of the Deputy-Speaker of this august House.

He has long experience in the service of the people, working as a Member of Parliament, working in different capacities such as Minister in the Central Cabinet as well as Member of the different Committees of this august House.

On behalf of Biju Janata Dal of Orissa, I congratulate Shri Karia Munda *ji* on his elevation to the office of the Deputy-Speaker. On behalf of my party, I not only congratulate him, but I also assure him all kind of cooperation in conducting the proceedings of the House, besides cooperating in different Committees of the House constituted by this august House.

I, once again, congratulate him and assure him all kind of cooperation on behalf of my party.

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : अध्यक्ष महोदया, 14वीं लोकसभा में हमने जिस तरह से लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव किया था, इस 15वीं लोकसभा में भी हमने उसी परम्परा को जारी रखा है और सर्वसम्मत से अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव किया है। श्री कड़िया मुंडा के बारे में प्रधानमंत्री जी ने कहा कि वे मल्टीफैसैड पर्सनैलिटी हैं। एक सांसद के नाते ही नहीं, यह उस भूमि से आते हैं, जहां से बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ हथियार अपने हाथ में उठाया था। हमारा पूरा विश्वास है कि कड़िया मुंडा जी को सदन चलाने में इनका सांसद, मंत्री और कमेटीज़ का अनुभव मदद करेगा। हम यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि भारतीय मार्क्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी सदन को चलाने में पूरा सहयोग देगी। हम उम्मीद करते हैं कि मुंडा जी इस सदन की गरिमा को और ऊंचा ले जाने में कामयाब होंगे। मैं व्यक्तिगत तौर पर और अपनी पार्टी की ओर से मुंडा जी का अभिनन्दन करता हूं।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam, your election as the Speaker, followed by the election of Mr. Karia Munda as the Deputy-Speaker of this august House, is, no doubt, a new direction in the history of Parliamentary and democratic system of this country. We whole-heartedly appreciate the sentiments and the decision taken by the hon. Prime Minister, the Leader of the House, the Chairperson of UPA, and theLeader of the Opposition, as such. I fully appreciate and congratulate Mr. Karia Munda. I assure all sorts of assistance on behalf of our Party, Trinamool Congress, which is now the second-largest Party in the UPA Government.

श्री अनंत गंगाराम गीते (रायगढ़) : माननीय अध्यक्ष महोदया, सदन के द्वारा सर्वसम्मति से श्री कड़िया मुंडा जी को उपाध्यक्ष चुना गया है। मैं मेरी ओर से तथा मेरी पार्टी शिव सेना की ओर से उनको बधाई देता हूं। सदन के नेता ने इस परम्परा का जिक्र किया और उन्होंने कहा कि वर्ष 1977 से यह परम्परा शुरु हुई और संयोग की बात है कि

जिस 1977 से यह परम्परा शुरु हुई, उस लोक सभा के कड़िया मुंडा जी सदस्य थे। पहली बार वह वर्ष 1977 में चुनकर आये थे। उन्हें काफी अनुभव है और निश्चित रूप से उपाध्यक्ष के रूप में इस सदन को चलाने में उस अनुभव का उन्हें लाभ मिलेगा और इस सदन को सुचारू रूप से चलाने में कड़िया मुंडा जी सफल होंगे। यह विश्वास मेरे मन में है। मैं कड़िया मुंडा जी को विश्वास दिलाता हूं कि वह उपाध्यक्ष के नाते सदन को सुचारू रूप से चला लेंगे। मेरी ओर से तथा मेरी पार्टी की ओर से उन्हें पूरा सहयोग मिलेगा।

DR. M. THAMBIDURAI (KARUR): Madam, Speaker, on behalf of my party AIADMK's General-Secretary, Amma and on my own behalf, I congratulate Shri Karia Munda for being elected unanimously to the post of Deputy-Speaker of Lok Sabha. He is a veteran parliamentarian. He has a lot of experience in this House. He has represented this House earlier six times. He has also got a lot of administrative experience. I extend full support of my party in running this House smoothly.

SHRI T.R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Madam Speaker, the successive accessions to the exalted position of the Indian democracy by the SCs and STs, who were hitherto discriminated, will go a long way in the Indian history.

Madam, Shri Karia Munda is my old friend. He has got all stature to conduct this House peacefully and harmoniously.

On this happy occasion, my only anguish is that the great leader, the great thinker, the revolutionary, the visionary leader, Thanthai Periyar, who was the leader of the Self-Respect Movement, is not here to appreciate this act of Parliament. Dr. C.N. Annadurai, the former leader of the DMK is also not here to recognise this act of the Indian Parliament. But at the same time, my leader, the custodian of Dalits, is here to appreciate and recognise this great act of the Indian Parliament. Definitely, it would go a long way in the Indian history. It would be written in the golden letters of the Indian history.

I appreciate and congratulate Shri Karia Munda on his election to the office of the Deputy-Speaker. On behalf of the DMK, we will definitely give our fullest cooperation to conduct this House in a peaceful manner.

श्री गुरुदास दासगुप्त (घाटल) : कड़िया मुंडा जी को बहुत-बहुत बधाई हो।

The new trend that has set in with your election to the office of the Speaker is being rightfully continued. The representation of the backward and Dalit in the highest forum of democracy raises a new hope of social uplift.

If this gesture is really translated into effective State policy to do good to the depressed, minority and Dalit, then that would mean a new turn in the Indian history.

With this hope, Madam, I again congratulate Shri Karia Munda, reminding the Government the necessity of translating this gesture into effective State policy.

श्री अजित सिंह (बागपत) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं श्री कड़िया मुंडा जी को सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देना चाहूंगा। सदन के सभी सदस्यों और दलों को उनका समर्थन है और उनका अनुभव देखते हुए मुझे विश्वास है कि वह अपने पद का बखूबी निर्वाह करेंगे। [r2]

श्री इन्दर सिंह नामधारी (चतरा): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं करिया मुण्डा जी के उपाध्यक्ष चुने जाने पर बधाई इसलिए देना चाहता हूं कि उन्होंने उसी झारखंड राज्य से जन कल्याण और पब्लिक सर्विस में आने का निर्णय किया जिस प्रांत से मैं हूं। मेरा उनके साथ बहुत दिनों से एसोसिएशन था। आपके अध्यक्षा चुने जाने के बाद श्री करिया मुण्डा जी का उपाध्यक्ष चुना जाना, मुझे ऐसा लगता है कि वे आपके पूरक बनकर आए हैं। संस्कृत की एक कहावत है -

मणिना वलयं वलयेनमणि मणिना वलयं विभातिकरः,

कविना च विभू विभुना च कवि, कविना विभुना च विभाति सभा।

जैसे कंगन से कलाई की और कलाई से कंगन, दोनों के मिल जाने से हाथ की शोभा बढ़ जाती है वैसे ही आपके अध्यक्ष और करिया मुण्डा जी के उपाध्यक्ष बनने पर लोकसभा की शोभा और बढ़ी है। मैं इसलिए आज उनको मुबारकबाद देना चाहता हूं। श्री करिया मुण्डा जी के अध्यक्ष बनने से हम महात्मा गांधी जी के ऋण से उऋण होने की कोशिश कर रहे हैं। महात्मा जी कहा करते थे और उनके बारे में ही कहा गया -

झुंड हाथियों के आए, नहाने को बह गए,

दरिया की तेज धार है एक बूढ़ा आदमी,

जनकृंति झुग्गियों से न हो जब तक शुरू,

देश पर उधार है एक बूढ़ा आदमी।

जब तक जनकृंति झोपड़ियों से शुरू नहीं होगी, तब तक बूढ़ा आदमी इस देश पर उधार रहेगा। करिया मुण्डा जी को उपाध्यक्ष चुनकर इस सदन ने महात्मा गांधी जी के उस ऋण से अपने आपको उऋण करने की कोशिश की है।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं श्री करिया मुण्डा जी को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि वे सदन के संचालन में आपका पूरक बनकर सदन को नई दिशा देंगे।

MADAM SPEAKER: Hon. Prime Minister, hon. Leader of the House, hon. Leader of the Opposition, hon. Leader of the UPA, hon. Leaders of Parties and Groups and hon. Members :

It is a matter of great happiness that one of our very worthy colleagues Shri Karia Mundaji has been unanimously elected as the Deputy Speaker of the Fifteenth Lok Sabha. I would like to extend my heartiest felicitations to Shri Karia Mundaji on this occasion. May I also congratulate all the Members of the Lok Sabha in ensuring the smooth election of an eminent parliamentarian to this august office.

Hon. Members, parliamentary democracy has taken deep roots in our country. The peaceful conduct of the General Elections to the Fifteenth Lok Sabha and the clear mandate given by the electorate, I am sure, are a testimony to their maturity and also of our parliamentary system. Within six decades of Independence, India has firmly secured its position as the largest working democracy of the world, in spite of having to contend with many problems, both internal and external.

Hon. Members, the people of India have reposed their faith in us and also given to us a very high responsibility. We now have the bounden duty to strive to come up to their expectations. Through healthy debates and purposive discussions, we have to chart out the plan for the country's development and pave the way for our people's prosperity. I am sure that the Fifteenth Lok Sabha will witness further strengthening of parliamentary institutions and the promotion of a healthy parliamentary culture.

Shri Karia Mundaji, whom the House has unanimously elected as the hon. Deputy Speaker, is a man of the masses. Shri Karia Mundaji has always stood out in our public life and is respected widely for his honesty, integrity and sincerity. Representing the Khunti parliamentary constituency from Jharkhand, he has made significant contributions as a Member of the Sixth, Ninth, Tenth, Eleventh, Twelfth and Thirteenth Lok Sabhas. [k3]

During his illustrious career, he was also a Member of the Bihar and Jharkhand Legislatures where too he displayed exemplary parliamentary skills. He was also a Minister in the Union Cabinet when his administrative acumen was acknowledged by the nation. Being closely associated with the under-privileged, he has tirelessly worked towards eradicating socio-economic inequalities. Undoubtedly, with such a distinguished public life, Shri Karia Munda*ji* is eminently suited to adorn the Office of the Deputy-Speaker of the Lok Sabha.

While we have every reason to be proud of the fact that elections to the offices of the Speaker and Deputy-Speaker have been unanimous, we should, at the same time, ensure that this unanimity should be the hallmark of the functioning of the 15th Lok Sabha. In a parliamentary democracy, there are bound to be differences of opinion on various occasions, a fact which makes the job of a Presiding Officer very challenging. However, in the interest of the welfare of the nation and the people, we shall have to arrive at consensus on major issues. I am confident, as Presiding Officers, Shri Munda*ji* and I will receive full cooperation from all sections of the House. I am equally sure that Shri Karia Munda*ji*'s vast legislative experience and his unquestionable integrity will go a long way in upholding the dignity of this august House and enriching our parliamentary system.

With these words, I would like to once again congratulate the newly elected hon. Deputy-Speaker of the Lok Sabha, Shri Karia Munda*ji*. I would also like to convey my very best wishes to Shri Munda*ji* in fulfilling the onerous responsibility bestowed upon him.

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय अध्यक्ष महोदया, माननीय प्रधान मंत्री जी, सदन के माननीय नेता, माननीय नेता प्रतिपक्ष, अन्य दलों और समूहों के माननीय नेतागण और माननीय सदस्यो :

लोक सभा का उपाध्यक्ष निर्वाचित होना मेरे लिए वास्तव में अत्यंत सम्मान की बात है। मैं आप सभी का अत्यधिक आभारी हूं कि आपने मुझे इस उच्च पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित किया। इस सम्मान हेतु अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं है और मैं पूरी विनम्रता के साथ इस संवैधानिक पद को स्वीकार करता हूं।

वस्तुतः मैं सभा के सभी वर्गों द्वारा मेरे बारे में व्यक्त की गई उदार भावनाओं से भी अभिभूत हूं। मैं आप सभी को आश्वासन देना चाहता हूं कि मैं इस सम्मानित सभा की मर्यादा को बनाए रखने के लिए पूरा प्रयास करूंगा।

आगे बढ़ने से पहले, मैं श्रीमती मीरा कुमार जी को लोक सभा के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से निर्वाचित होने तथा लोक सभा की प्रथम महिला अध्यक्ष होने का गौरव प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई देता हूं। महोदया, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि सभा के कार्य-संचालन में आपको मेरा पूर्ण समर्थन और सहयोग मिलेगा।

मैं आप सभी माननीय सदस्यों का भी गर्मजोशी से हार्दिक स्वागत करता हूं कि आपको विश्व के सबसे बड़े कार्यशील लोकतंत्र के इस लोकप्रिय सदन में निर्वाचित होकर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

माननीय सदस्यो, मैं पहली बार इस सभा का उपाध्यक्ष निर्वाचित हुआ हूं। परंतु जैसा कि आपमें से अनेक सदस्य जानते हैं कि संसदीय संस्थाएं तथा संसदीय प्रक्रिया और पद्धतियां मेरे लिए नई नहीं हैं। मैं पहली बार 1977 में छठी लोक सभा के लिए निर्वाचित हुआ था। बाद में नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं, बारहवीं, तेरहवीं लोक सभाओं के लिए मैं निर्वाचित हुआ और अब पंद्रहवीं लोक सभा के लिए निर्वाचित हुआ हूं।[BS4]

इस बीच मुझे बिहार विधानसभा और झारखंड विधानसभा के लिये निर्वाचित होने का अवसर मिला। मुझे प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई और श्री अटल बिहारी वाजपेयी के मंत्रिमंडल में भी केन्द्रीय मंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ। मुझे विश्वास है कि मेरा संसदीय अनुभव और मेरे पूर्ववर्ती उपाध्यक्षों द्वारा कायम की गई समृद्ध परम्परायें मुझे अपने संसदीय कर्तव्यों का निर्वहन करने में और हमारी संसद की मर्यादा को कायम रखने में सहायक सिद्ध होंगी। लोकसभा, जो हमारे लोकतंत्र की आत्मा है तथा माननीय सदस्यों के अधिकारों और विशेषाधिकारों की रक्षा करना मेरा परम कर्तव्य होगा। अपने कर्तव्यों के प्रभावी और कुशल निर्वहन के लिये मैं आपसे सतत् सहयोग की अपेक्षा करता हूं।

माननीय सदस्यो, स्वतंत्रता के बाद के वर्षों में हमारी संसद एक बहुकृत्यकारी संस्था के रूप में उभरकर सामने आयी है। यह हमारे देश की राजनैतिक धड़कनों का केन्द्र है जो बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वंय को ढालने में सक्षम है और अपनी विविध जिम्मेदारियों का निर्वहन करती है तथा हमारी संसदीय राजनीति का संचालन करती है। देश के सामाजिक-आर्थिक परिप्रेक्ष्य में, हमारे राजनैतिक तंत्र को जीवंत बनाये रखने में संसद ने जो महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, वह सर्वविदित है। हमारी राजनीति का लचीलापन और जनकल्याण हेतु हमारा सरोकार, लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्धता, कानून का राज, राजनीतिक सम्मति तथा राष्ट्रीय एकता, आदि को संसद भलीभांति अभिव्यक्त और पोषित करती है।

विगत दशकों में हमारी संसद ने अपने कार्यकरण हेतु अच्छे पूर्वोदारण और परम्परायें स्थापित की हैं और हमारे संसदीय तंत्र को और प्रभावी बनाया है। जनप्रतिनिधि के रूप में सदस्य की स्थिति एक प्रतिष्ठित व्यक्ति की होती है। इसलिये सभा के भीतर और बाहर शालीन आचरण करना सदस्य के प्राथमिक कर्तव्यों में से एक है। हम सभी यह जानते हैं कि अभिव्यक्ति का स्वतंत्रता के बिना कोई ज्ञानवर्धक चर्चा संभव नहीं है, पर हमें यह भी समझना और मानना होगा कि सभा में व्यवस्था के बिना तो चर्चा बिलकुल ही संभव नहीं है। नेताओं और सदस्यों के बीच किसी विवादास्पद मुद्दे को लेकर कई बार जो मतभेद होता है उससे सभा की व्यवस्था ठप्प हो जाती है, जिसे मेरे विचार से राजनीतिक दलों और समूहों के नेताओं से बातचीत और बैठकों के जरिये ठीक तरीके से सुलझाया जा सकता है। महत्वपूर्ण यह है कि आपस में चर्चा और सहयोग के माध्यम से सर्वसम्मति पर पहुंचा जाये। निर्वाचित जनप्रतिनिधि होने के नाते हमें सब से पहले स्वयं को ऐसा उदाहरण पेश करना चाहिये, जिससे शालीनता, शिष्टाचार, सहिष्णुता और सांमजस्य की झलक मिले।

पंद्रहवीं लोक सभा में कई नए युवा चेहरे आये हैं जो पहली बार चुनकर आये हैं और इसके साथ कई वरिष्ठ सदस्यों के अनुभवों को मिला लिया जाए तो फिर इस सभा के पास रचनात्मक ऊर्जा का ऐसा भंडार हो जाता है जिससे आम आदमी की आशाओं और आकांक्षाओं से जुड़े मुद्दों पर अच्छे से ध्यान दिया जा सकता है। मुझे उम्मीद है कि प्रत्येक नवनिर्वाचित सदस्य प्रतिबद्धता की भावना से कार्य करते हुये सभा के नियमों को समझेगा, उनका पालन करेगा तथा सभा की कार्यवाही में अपना मूल्यवान योगदान करेगा ताकि हम सब मिलकर जनता के कल्याण की दिशा में कार्य कर सकें।

मैं सभी माननीय सदस्यों का आभारी हूं कि जिन्होंने मेरे प्रति सद्भावना व्यक्त की है और अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। अपनी ओर से मैं भी पुन: आपको आश्वस्त करता हूं कि आपने मुझमें जो विश्वास प्रकट किया है, उसे बनाये रखने का मैं भरसक प्रयास करूंगा।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं पुन: आप सभी का धन्यवाद करता हूं कि आपने लोक सभा उपाध्यक्ष के इस उच्च पद के लिये मुझे चुना।